Daily Current Affairs
19 August 2026

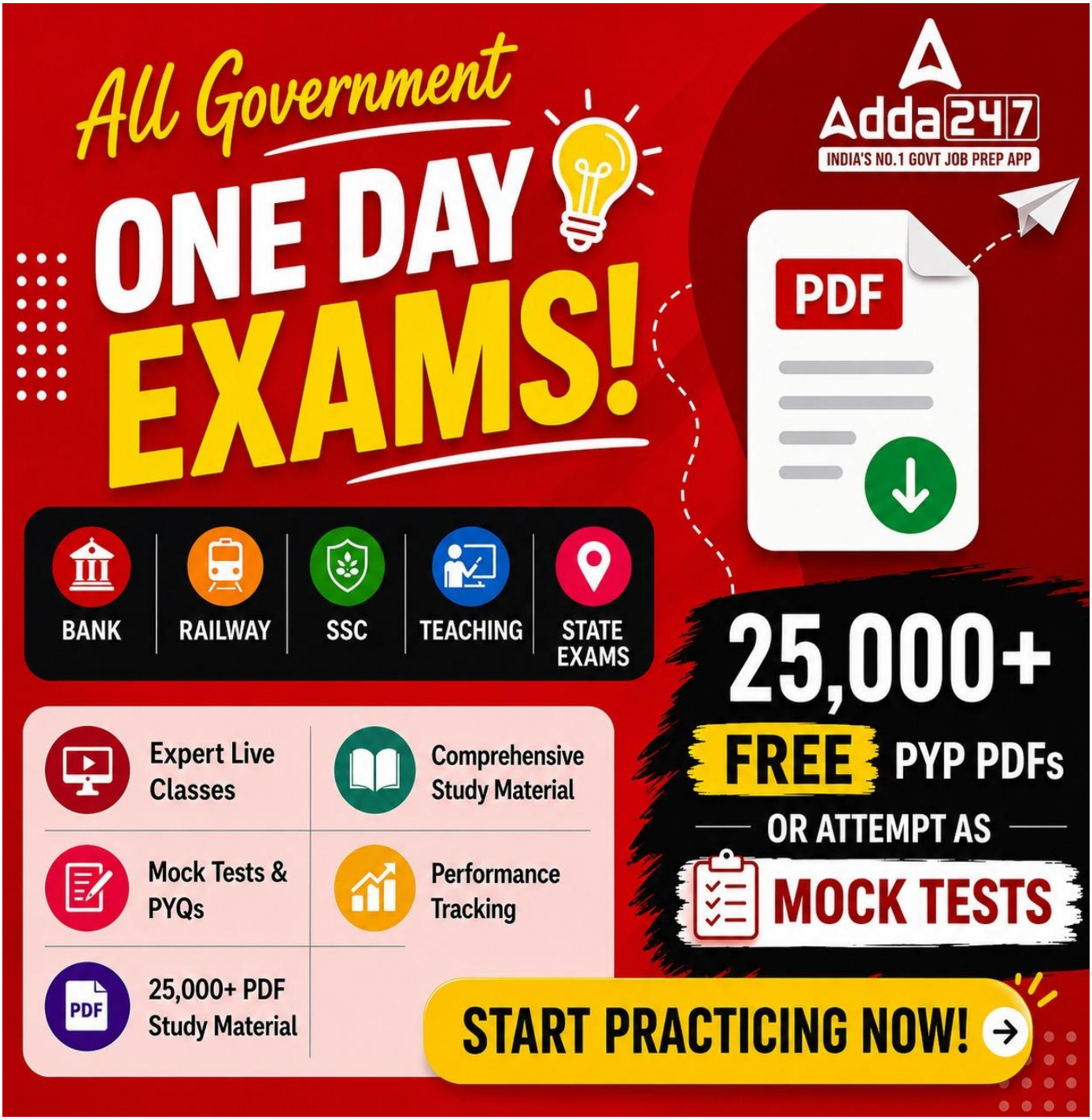

Daily Current Affairs Quiz 19 August 2026

Q1. AMCA का पूर्ण रूप क्या है?
(a) Advanced Military Combat Aircraft
(b) Advanced Medium Combat Aircraft
(c) Advanced Multirole Combat Aircraft
(d) Airborne Medium Combat Aircraft
Ans.(b)
Sol. सही उत्तर (B) Advanced Medium Combat Aircraft है
व्याख्या:
• AMCA का पूर्ण रूप एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (Advanced Medium Combat Aircraft) है, जो भारतीय वायु सेना की दीर्घकालिक रणनीतिक जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ लड़ाकू जेट को स्वतंत्र रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित करने का भारत का प्रमुख राष्ट्रीय कार्यक्रम है।
• 25-टन वाले ट्विन-इंजन विमान प्लेटफॉर्म के रूप में तैयार किए गए, एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट को इसके रडार क्रॉस-सेक्शन (RCS) को न्यूनतम रखने के लिए विशेष रडार-अवशोषित सामग्री (RAM), कम-अवलोकन योग्य ज्यामितीय आकृतियों और डायवर्टरलेस सुपरसोनिक एयर इनलेट के साथ इंजीनियर किया गया है।
• एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट के वैचारिक डिजाइन और इंजीनियरिंग पैरामीटर एक व्यापक बहु-मिशन प्रोफ़ाइल को पूरा करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि यह मानक वायु श्रेष्ठता और भारी विवादित क्षेत्रों में गहरे स्ट्राइक प्रवेश से लेकर समुद्री आक्रामक अभियानों तक की जटिल भूमिकाएँ निभा सकता है।
• इस ऐतिहासिक फाइटर प्लेटफॉर्म के धड़ के निचले हिस्से में आंतरिक हथियार बे शामिल होंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उच्च-जोखिम वाले मिशनों के दौरान मानक मिसाइलों या सटीक-निर्देशित हथियारों को ले जाने से स्टील्थ हस्ताक्षर से कोई समझौता न हो।
• इस स्वदेशी फ्लैगशिप प्लेटफॉर्म का निष्पादन भारत की स्थिति को उन वैश्विक महाशक्तियों के एक कुलीन, अत्यधिक प्रतिबंधित समूह में बढ़ा देता है जिनके पास शुरू से ही अगली पीढ़ी के स्टील्थ युद्धक विमान बनाने की स्वतंत्र तकनीकी क्षमता है।
Information Booster:
• Advanced Medium Combat Aircraft में अत्यधिक आधुनिक सब-सिस्टम होंगे, जिनमें एक एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड एरे (AESA) रडार, इन्फ्रारेड सर्च एंड ट्रैक (IRST) एरे, पूरी तरह से एकीकृत मल्टी-सेंसर डेटा फ्यूजन और एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-असिस्टेड निर्णय-समर्थन इलेक्ट्रॉनिक पायलट कॉकपिट शामिल हैं।
• उत्पादन का प्रारंभिक चरण, जिसे AMCA मार्क 1 संस्करण के रूप में जाना जाता है, आयातित अमेरिकी GE-F414 इंजनों का उपयोग करके संचालित होगा जो लगभग 90kN का थ्रस्ट उत्पन्न करते हैं, जबकि बाद का AMCA मार्क 2 संस्करण एक बेहतर स्वदेशी रूप से सह-विकसित उच्च-थ्रस्ट पावर प्लांट द्वारा संचालित होगा।
Additional Knowledge:
• Advanced Military Combat Aircraft (विकल्प A): हालांकि लड़ाकू विमान स्पष्ट रूप से सैन्य युद्ध तैनाती के लिए डिज़ाइन किया गया है, यह शब्दावली तकनीकी रूप से गलत है और आधिकारिक रक्षा मंत्रालय या DRDO सूचनाओं में इसका उपयोग नहीं किया जाता है।

• Advanced Multirole Combat Aircraft (विकल्प C): यद्यपि यह प्लेटफॉर्म मूल रूप से स्विंग-रोल कॉम्बैट मिशनों सहित बहु-भूमिका युद्ध संचालन करता है, 'मल्टीरोल' इस परियोजना के लिए चुना गया आधिकारिक नाम नहीं है; 'मीडियम' इसके सटीक वजन श्रेणी वर्गीकरण का वर्णन करता है।

• Airborne Medium Combat Aircraft (विकल्प D): यह विकल्प तकनीकी शब्दों के गलत संयोजन का प्रतिनिधित्व करता है, क्योंकि सभी लड़ाकू विमान डिजाइन के अनुसार एयरबोर्न (हवाई) होते हैं, और यह भारत के एयरोस्पेस अनुसंधान कार्यक्रमों की ऐतिहासिक नामकरण सम्मेलनों के साथ संरेखित नहीं है।

Q2. अगस्त 2026 में भारत में एक स्वदेशी लड़ाकू इंजन को डिजाइन, विकसित और निर्मित करने के लिए किस विदेशी कंपनी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की?

(a) सफ्रान

(b) रोल्स-रॉयस

(c) जनरल इलेक्ट्रिक

(d) प्रैट & व्हिटनी

Ans.(b)

Sol. सही उत्तर (B) रोल्स-रॉयस है

स्पष्टीकरण:

• ब्रिटिश एयरोस्पेस और पावर सिस्टम्स कॉर्पोरेशन रोल्स-रॉयस ने अगस्त 2026 में भारत में लड़ाकू जेट इंजनों का सह-विकास और निर्माण करने के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की।

• साझेदारी के तहत, रोल्स-रॉयस स्थानीय उत्पादन को सुविधाजनक बनाने के लिए महत्वपूर्ण कोर प्रौद्योगिकी, बौद्धिक संपदा और सिंगल-क्रिस्टल ब्लेड विनिर्माण विशेषज्ञता को हस्तांतरित करेगी।

• इस पहल का उद्देश्य भारत के स्वदेशी लड़ाकू जेट कार्यक्रमों, विशेष रूप से उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (AMCA Mk-2) के लिए उच्च-थ्रस्ट गैस टरबाइन इंजनों का निर्माण करना है।

• रोल्स-रॉयस व्यापक वैश्विक रक्षा अनुभव लाती है, जिसने यूरोफाइटर टाइफून के लिए ईजे200 (EJ200) और वी/एसटीओएल (V/STOL) जेट्स के लिए पेगासस जैसे सैन्य इंजन विकसित किए हैं।

• इस साझेदारी में भारत के भीतर उन्नत विनिर्माण, परीक्षण, असेंबली और रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (MRO) सुविधाओं की स्थापना शामिल है।

• साझा बौद्धिक संपदा (IP) के साथ रक्षा इंजनों का सह-विकास दीर्घकालिक परिचालन स्वायत्तता सुनिश्चित करता है और भारत के लिए भविष्य के निर्यात अवसरों का समर्थन करता है।

Information Booster:

• रोल्स-रॉयस होल्डिंग्स पीएलसी का मुख्यालय यूनाइटेड किंगडम में है और यह सैन्य और वाणिज्यिक एयरो-इंजनों के शीर्ष वैश्विक निर्माताओं में शुमार है।

• जेट इंजनों में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण रक्षा प्रौद्योगिकी साझाकरण के उच्चतम स्तर का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें जटिल हॉट-सेक्शन घटक शामिल होते हैं।

• भारत की वैमानिकी विकास एजेंसी (ADA) एलसीए तेजस (LCA Tejas) और एएमसीए (AMCA) सहित स्वदेशी लड़ाकू प्लेटफॉर्म के डिजाइन का नेतृत्व करती है।

• 5वीं पीढ़ी के स्टेल्थ फाइटर्स के लिए उच्च-थ्रस्ट इंजनों को कम रडार सिग्नेचर नोजल के साथ 110 kN से 130 kN थ्रस्ट रेटिंग की आवश्यकता होती है।

• रक्षा संयुक्त उद्यम घरेलू आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करते हैं, जिससे उच्च-कुशल इंजीनियरिंग नौकरियां पैदा होती हैं और घरेलू एयरोस्पेस एमएसएमई (MSMEs) का समर्थन होता है।
• भारत की रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (DAP) विदेशी ओईएम (OEMs) और भारतीय निजी फर्मों के बीच रणनीतिक साझेदारी के लिए संरचित दिशानिर्देश प्रदान करती है।
Additional Knowledge:
• सफ्रान (विकल्प A): एक प्रमुख फ्रांसीसी एयरोस्पेस निर्माता जो हेलीकॉप्टर इंजनों (HAL के साथ शक्ति) का सह-विकास कर रहा है और DRDO GTRE साझेदारी के माध्यम से इंजन प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की पेशकश कर रहा है।
• जनरल इलेक्ट्रिक (विकल्प C): एक अमेरिकी रक्षा दिग्गज (GE Aerospace) जो एलसीए (LCA) तेजस Mk-1A के लिए F404 इंजन का निर्माण करती है और तेजस Mk-2 के लिए F414 इंजन के निर्माण के लिए HAL के साथ साझेदारी कर रही है।
• प्रैट & व्हिटनी (विकल्प D): एक प्रमुख अमेरिकी विमान इंजन निर्माता जो वाणिज्यिक जेट इंजनों (PW1000G) और सैन्य इंजनों (F-35 के लिए F135) की आपूर्ति करती है, लेकिन यह इस समझौते में रिलायंस के साथ साझेदारी करने वाली इकाई नहीं है।

Q3. अगस्त 2026 में, लड़ाकू इंजन कार्यक्रम के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज और रोल्स-रॉयस द्वारा भारत में स्थापित की जाने वाली प्रस्तावित सुविधा क्या है?
(a) एयरोस्पेस गैस टरबाइन कॉम्प्लेक्स
(b) नेशनल एयरो प्रोपल्शन सेंटर
(c) इंटीग्रेटेड फाइटर मैन्युफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स
(d) एडवांस्ड डिफेंस इंजन रिसर्च सेंटर
Ans.(a)
Sol. सही उत्तर (A) एयरोस्पेस गैस टरबाइन कॉम्प्लेक्स है
स्पष्टीकरण:
• अगस्त 2026 में घोषित अपनी रणनीतिक साझेदारी के भाग के रूप में, रिलायंस इंडस्ट्रीज और रोल्स-रॉयस ने भारत में एक समर्पित 'एयरोस्पेस गैस टरबाइन कॉम्प्लेक्स' स्थापित करने का प्रस्ताव दिया।
• प्रस्तावित एयरोस्पेस गैस टरबाइन कॉम्प्लेक्स को एक अत्याधुनिक सुविधा के रूप में योजनाबद्ध किया गया है जिसमें विशेष फाउंड्री, सटीक मशीनिंग उपकरण, उच्च ऊंचाई वाले परीक्षण सेल और असेंबली लाइनें शामिल हैं।
• यह कॉम्प्लेक्स सैन्य एयरो-इंजनों के संपूर्ण जीवनचक्र को संभालेगा, जिसमें डिज़ाइन अनुकूलन, घटक ढलाई (कास्टिंग), इंजन असेंबली, परीक्षण और एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल) शामिल हैं।
• एक स्थानीय गैस टरबाइन कॉम्प्लेक्स की स्थापना यह सुनिश्चित करती है कि उच्च दबाव वाले टरबाइन ब्लेड और दहन कक्ष (कम्बस्टर्स) जैसे हॉट-सेक्शन इंजन घटकों को विदेशी निर्भरता के बिना स्थानीय स्तर पर उत्पादित किया जा सकता है।
• इस सुविधा को एएमसीए (AMCA) कार्यक्रम के लिए प्रारंभिक इंजन उत्पादन और दीर्घकालिक तकनीकी उन्नयन और निर्यात मांगों दोनों का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
• यह कॉम्प्लेक्स एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, सिंगल-क्रिस्टल एलॉय कास्टिंग, डिजिटल ट्विन मॉडलिंग और थर्मल बैरियर कोटिंग्स सहित उन्नत विनिर्माण तकनीकों को एकीकृत करेगा।
Information Booster:
• गैस टरबाइन इंजन अत्यधिक तापीय और यांत्रिक परिस्थितियों में काम करते हैं, जिनके लिए सिम्युलेटेड ऊंचाई वाले वातावरण में इंजनों का परीक्षण करने में सक्षम विशेष सुविधाओं की आवश्यकता होती है।

• बेंगलुरु में DRDO के तहत गैस टरबाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान (GTRE) सैन्य गैस टरबाइन अनुसंधान के लिए भारत की प्राथमिक सरकारी प्रयोगशाला है।
• घरेलू एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल) सुविधाएं सैन्य विमान बेड़े के लिए परिचालन रखरखाव लागत और जीवनचक्र डाउनटाइम को कम करती हैं।
• 'मेक इन इंडिया' के तहत स्थापित उन्नत रक्षा कॉम्प्लेक्स घरेलू छोटे और मध्यम उद्यमों के बीच मजबूत टियर-1 और टियर-2 विक्रेता पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में मदद करते हैं।
• आधुनिक स्टेल्थ एयरो-इंजन रडार और इन्फ्रारेड हस्ताक्षर को कम करने के लिए थ्रस्ट-वेक्टरिंग नोजल और रडार-अवशोषक सामग्री का उपयोग करते हैं।
• विशेष गैस टरबाइन बुनियादी ढांचे की स्थापना एयरोस्पेस पावर, नौसैनिक प्रणोदन और औद्योगिक ऊर्जा क्षेत्रों में राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता को बढ़ाती है।
Additional Knowledge:
• नेशनल एयरो प्रोपल्शन सेंटर (विकल्प B): एक सामान्य शब्द जिसका उपयोग अकादमिक नीति चर्चाओं में किया जाता है, लेकिन 2026 रिलायंस-रोल्स-रॉयस पहल के तहत प्रस्तावित विशिष्ट सुविधा नहीं है।
• इंटीग्रेटेड फाइटर मैन्युफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स (विकल्प C): आम तौर पर एयरफ्रेम निर्माण सुविधाओं को संदर्भित करता है जैसे कि नासिक और बेंगलुरु में HAL के फाइटर असेंबली डिवीजन।
• एडवांस्ड डिफेंस इंजन रिसर्च सेंटर (विकल्प D): सार्वजनिक क्षेत्र की अनुसंधान और विकास सुविधाओं को संदर्भित करता है, न कि इस रक्षा साझेदारी के तहत नियोजित वाणिज्यिक विनिर्माण कॉम्प्लेक्स को।

Q4. मई 2026 में, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने आंध्र प्रदेश के किस जिले में एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (AMCA) कार्यक्रम सुविधा की आधारशिला रखी?
(a) अनाकापल्ली
(b) श्री सत्य साई
(c) चित्तूर
(d) कुरनूल
Ans.(b)
Sol. सही उत्तर (b) श्री सत्य साई है
स्पष्टीकरण:
• केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने मई 2026 में आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साई जिले के पुट्टापर्थी में AMCA कार्यक्रम सुविधा की आधारशिला रखी।
• AMCA कार्यक्रम भारत की स्वदेशी 5वीं पीढ़ी का स्टील्थ मल्टीरोल फाइटर एयरक्राफ्ट प्रोजेक्ट है।
• यह सुविधा रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के तहत वैमानिकी विकास एजेंसी द्वारा विकसित की जा रही है।
• इस परियोजना का उद्देश्य उन्नत रक्षा विमानन प्रौद्योगिकी में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है।
• AMCA विकास का समर्थन करने के लिए 2,000 करोड़ रुपये के कोर इंटीग्रेशन और फ्लाइट टेस्टिंग सेंटर की भी घोषणा की गई थी।
Information Booster:
• AMCA का अर्थ एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (Advanced Medium Combat Aircraft) है।
• यह विमान भारतीय वायु सेना (IAF) और भारतीय नौसेना (IN) दोनों के लिए डिज़ाइन किया गया है।

• AMCA मल्टीरोल कॉम्बैट क्षमता वाला एक ट्विन-इंजन स्टील्थ फाइटर एयरक्राफ्ट है।
• AMCA कार्यक्रम सुविधा के लिए कुल निवेश लगभग 15,000 करोड़ रुपये है।
• भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (BDL) ने आंध्र प्रदेश में एक नौसेना प्रणाली विनिर्माण सुविधा की भी घोषणा की।

Q5. रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ साझेदारी करने वाली रोल्स-रॉयस का मुख्यालय किस देश में स्थित है?
(a) फ्रांस
(b) जर्मनी
(c) यूनाइटेड किंगडम
(d) संयुक्त राज्य अमेरिका
Ans.(c)
Sol. सही उत्तर (C) यूनाइटेड किंगडम है
स्पष्टीकरण:
• विश्व प्रसिद्ध एयरोस्पेस, रक्षा और बिजली प्रणाली निगम, रोल्स-रॉयस होल्डिंग्स पीएलसी, जिसने रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ साझेदारी की है, का मुख्यालय यूनाइटेड किंगडम में स्थित है।
• अगस्त 2026 में, रिलायंस इंडस्ट्रीज और रोल्स-रॉयस ने भारत में स्वदेशी लड़ाकू विमान इंजनों को डिजाइन करने, सह-विकसित करने और उनके निर्माण के लिए एक प्रमुख रक्षा साझेदारी की घोषणा की।
• लंदन में मुख्यालय और डर्बी, यूके में प्रमुख विकास केंद्र संचालित करने वाली, रोल्स-रॉयस एयरो-प्रोपल्शन प्रणालियों के प्रमुख वैश्विक निर्माताओं में से एक है।
• रणनीतिक साझेदारी रोल्स-रॉयस की उन्नत गैस टरबाइन इंजन तकनीक, सिंगल-क्रिस्टल टरबाइन ब्लेड धातु विज्ञान और उच्च तापमान सामग्री क्षमताओं का लाभ उठाती है।
• यह सहयोग प्रत्यक्ष रूप से उच्च-प्रौद्योगिकी रक्षा निर्माण में भारत की 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहल का समर्थन करता है।
• रोल्स-रॉयस का भारतीय सशस्त्र बलों को प्रणोदन प्रणाली की आपूर्ति करने का एक लंबा इतिहास रहा है, जिसमें जगुआर लड़ाकू विमानों, हॉक ट्रेनर्स और नौसैनिक जहाजों के लिए एयरो-इंजन शामिल हैं।
Information Booster:
• रोल्स-रॉयस पीएलसी की जड़ें 1906 में जुड़ी हैं जब इसे यूनाइटेड किंगडम में चार्ल्स रोल्स और हेनरी रॉयस द्वारा स्थापित किया गया था।
• रोल्स-रॉयस मोटर कार्स का स्वामित्व जर्मनी की बीएमडब्ल्यू (BMW) एजी के पास है, जबकि रोल्स-रॉयस होल्डिंग्स पीएलसी एक स्वतंत्र ब्रिटिश एयरोस्पेस और रक्षा बहुराष्ट्रीय कंपनी है।
• उन्नत जेट इंजन निर्माण में 1,600°C से अधिक के परिचालन तापमान को सहने में सक्षम सिंगल-क्रिस्टल टरबाइन ब्लेड जैसी जटिल प्रौद्योगिकियां शामिल होती हैं।
• भारत का रक्षा क्षेत्र लड़ाकू विमानन में रणनीतिक स्वायत्तता प्राप्त करने के लिए वैश्विक रक्षा दिग्गजों के साथ सह-विकास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण मॉडल पर निर्भर करता है।
• रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (DAP) भारतीय निजी फर्मों और वैश्विक मूल उपकरण निर्माताओं (OEMs) के बीच रणनीतिक साझेदारी (SP) मॉडल को बढ़ावा देती है।
• रोल्स-रॉयस दुनिया भर में 100 से अधिक सशस्त्र बलों को प्रणोदन और बिजली प्रणाली प्रदान करने वाली विशेष रक्षा और समुद्री व्यावसायिक इकाइयों का संचालन करती है।

Additional Knowledge:

• फ्रांस (विकल्प A): एक प्रमुख फ्रांसीसी एयरोस्पेस निर्माता सफ्रान एसए (Safran SA) का घर, जो हेलीकॉप्टर इंजनों का सह-विकास करता है और लड़ाकू जेट इंजनों पर DRDO के साथ सहयोग करता है।

• जर्मनी (विकल्प B): एक प्रमुख जर्मन इंजन निर्माता एमटीयू (MTU) एयरो इंजिन्स का घर, जो यूरोफाइटर टाइफून जैसी यूरोपीय लड़ाकू जेट परियोजनाओं में भाग लेता है।

• संयुक्त राज्य अमेरिका (विकल्प D): जनरल इलेक्ट्रिक (जीई एयरोस्पेस) और प्रैट एंड व्हिटनी सहित अग्रणी रक्षा प्रणोदन निर्माताओं का घर।